



# नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित) | कृपाकर, 26 फरवरी 2026

न्याय केवल किया ही न जाए, बल्कि होता हुआ भी दिखाई देना चाहिए।  
— लॉर्ड डेनिंग, ब्रिटिश न्यायधीश

## करषण पर बात हो

NCERT की किताबों के कंटेंट को लेकर पहले भी विवाद हुआ है, लेकिन इस बार मामला न्यायपालिका से जुड़ा है। कक्षा 8 की एक किताब में कर्षण की बात कही गई है। चीन-जर्मन युद्ध के दौरान पर सख्त फैसला करने हुए कहा कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम नहीं करने दिया जाएगा। संकेत के हवाले से खबर है कि NCERT इस आशय को हटा सकता है।

**भ्रष्टाचार समस्या**। ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल की इसी पहिनी जारी रिपोर्ट के मुताबिक, कर्षण परलेखन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत का रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले देश ने 5 स्थान का सुधार जरूर किया, पर भ्रष्टाचार अभी भी बड़ी समस्या है।



NCERT किताब विवाद

इसकी जगह से तमाम सरकारी योजनाएं और नीतियां अपना अमर जो देते हैं और आम लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हालांकि जब बात कर्षण की आती है, तो भावनाएं बदन जाती हैं।

**जस्टिस क्या केस**। जब तमाम उम्मेदों के मनोरे हैं जो नहीं हैं, तब अदालत से आस जाती है। लेकिन इस भरोसे की कुछ कोमत ही है और वह है पारदर्शिता व जवाबदेही। कोई भी सिस्टम कलट नहीं होता, उसे कलाने वाले चंद लोग ही होते हैं। देश को न्यायिक व्यवस्था को भी इस मामले में कुछ सबाल डालने पड़े हैं। जस्टिस फावतें चर्मा के करषण का मामला पिछले साल पास का है और अभी तक यह अज्ञान तक नहीं पहुंचा है। दिखकर में ही सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जमाई थी कि करियर के अखिरी में बड़े फैसले देने का डेड वद रहा है। जरूरी नहीं कि करषण फैसले का ही हो।

**लंबित मामला**। अदालतें भरोसे का नाम हैं, पर यह भी सब है कि आम आदमी अदालतों के चक्कर में नहीं पड़ना चाहता। फरफेमे खलती-खलत चलते हैं और चर्चते हैं। जिनसे अदालतों में लगभग 4.9 करोड़ केस पेंडिंग हैं। जिला अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक - न्यायधीशों के तमाम पर खलती हैं, जिससे न्याय की रफ्तार बंदन धीमी हो जाती है।

**अच्छी पहल**। भारतीय न्यायपालिका की इस मामले में तारीफ होनी चाहिए कि पारदर्शिता के लिए यह खुद फलत करवा है। मसाला, पिछले साल में ही शीर्ष अदालत के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का न्यूनतम न्यायिक करों पर सहमति जमाई थी। इसने न्यायपालिका की गरिमा को और बढ़ा दिया। सुप्रीम कोर्ट को फिर उनी तरह की फलत करवाए हुए कोई गलत निकालना चाहिए। इस विवाद में सबक NCERT के लिए भी है कि केवल एक संस्था पर बात करे, जबकि करषण देश की सबसे आम समस्या है।

## गुस्ताखी माफ

## नैतिकता की स्विंग

'मॉनिंग वॉक जल्दी निपटार, आन हमारे साथ चलना है। हम सब भिन्नकर आवाज उठाएंगे। हमें कलना ही होगा कि ये जो कर रहे हैं, हम उसका कसा विरोध करते हैं।' श्रीमान क ने आदतन गुड मॉनिंग का नाम लगाया था, पर मिटर ए ने उसे किनारे कर दिया। उन्होंने कुछ ऐसा तैवर दिखाया, जैसे तिरसं स्वीपी लया रहे हो।

जकरत से ज्यादा भक्तीव दृष्टा फलत कोलेट्टाल में न बदल जाए, इस विना में मैं दीड लगा का था, पर इन्की लानचीत सुन रहा था। मिटर ए ने कहा, 'भाई खब, न तो हमारी रजिडेंट टेलिफोन अरबिहरेशन से पूजा, न फाकेट अरबिहरेशन से, अपने हिसाब से फैसला कर लिख कि हमारे इषर फांरी-परकम डेरा सेटर बनाएंगे।' श्रीमान क ने इसे आलापक, पर मिटर ए भइक गया। 'यह सेटर विन्ती विजरी अडुगा, कुछ फल भी है? विन्ती महंगी होगी तो हमारे मनो भी तो बोल आएगा। इन संदेशों की कुरिमा में बहन पानी लगता है। हमारे इषर तो ही तैवर सफाई फलते ही सुक-शाम वाली है। डेरा सेटर बन गया तो हमारा कल होगा?' कुछ पढ़ा-लिखा भी कडियाँ।

श्रीमान क ने उन्हें सांस लेने का फौका देने की गज से कहा, 'लेकिन यह तो विकास का काम है। कब आया नहीं चले कि सभी लोग आगे बढ़ें?' विकास का नाम सुनते ही मिटर ए नमन पड़ गए। 'विकास तो होना ही चाहिए। पर फेरी चले दूरसे सेटें में भी तो बस सकते हैं, कोई गांव-करवा हो। वहां पानी-विजली कप भी हो तो चल जाएगा। इधर तो आफत हो जागी। इस्तरिह हम लेग सडक जाम करने का रहे हैं।' श्रीमान क ने उन्हें समझाया, 'सडक जाम करने ठीक बात नहीं है। यह लोकतांत्रिक तरीका नहीं है। फिर हमारे शहर में जो लोग बहर से आए हैं, वे कब सोचेंगे? क्या अधिकारियों को जापन देना है? वे जरूर सुनेंगे।' लमी अपने बढासप बल्लु बरशका की आवाज सुनाई दी। 'दीड पूरी कडियाँ अंकत। इधर हो तो आफत-उधर हो तो स्वागत, नैतिकता को ये तिरसं स्विंग तो चलती रहेगी।'

## एकदा

## सज्जानता की संधि नहीं

जेम्स चार्ल्स सुअरत का जन्म 19 जून 1566 को एडिनबर्ग फलत में हुआ। एलिजाबेथ प्रथम के निमत के बाद उन्हें इंग्लैंड की राजाड़ी मिनी और उन्होंने स्वयं को ग्रेट ब्रिटेन का राजा कहा। जेम्स अपने राजकीय को बढाने और सैन्य बल के लिए जाना जाते थे। कहा जाता है कि इस्केल लिए वह पान लेकर उरफिध भी दिख करते थे। वह जानते थे कि उरफिध से महानर नहीं आती, फिर भी कुछ लोगों के अहंकार को कुंठ कर उरफिध भला उन्हें सही लग रहा था। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास आया और उसने उनसे निमत किया, 'फाशन, मुझे सज्जान की उरफिध दे दीजिए। इसके लिए जो भी पान चाहिए, वह देने के लिए मैं तैवर हूँ। जेम्स मुककार और बोले, 'मे तूरे तूले, उरफिध का दासिक बना सकता हूँ, पर सज्जान नहीं। सज्जानता खरीदी नहीं जाती, वह तो संस्कार से जन्म लेती है। वह सुकरत वह व्यक्ति निमत हो गया, वह प्रथम निमत है कि वह और प्रतिना बाहर से मिल सकते हैं, पर चरित्र भीतर से निर्मित होता है।'



जेम्स चार्ल्स सुअरत

# संघ के मुताबिक किसी को लालच या छल से धर्म बदलने पर मजबूर करना ग़लत घर वापसी पर क्या है RSS की सोच

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के संस्थापक मोहन भागवत देशभर के दौर पर हैं। इस दौरान उनके भाषण और सवाल-जवाब चर्चा में हैं। वे यहां पर संघ के शतवर्षी वर्ष के तहत पहले से तय थी। संघ से जुड़े सवालों के जवाब खुद भागवत दे रहे हैं। पहले ऐसा नहीं हुआ, जब इतने विस्तर से संघ के विषय पर बातें कीं, बर में खुद संघ प्रमुख ने बतवा हो। इसमें दो बातें खास लगती हैं - संस्थापक का ब्राह्मण होना और मुस्लिमों के साथ RSS का रिश्ता।

**जाति अहम नहीं।** अक्सर यह सवाल उठता है कि संघ प्रमुख ब्राह्मण ही क्यों होते हैं? जैसा भागवत ने बतवाया, संघ की शुरुआत ऐसे समाज में हुई जहां ब्राह्मणों की संख्या अधिक थी, इसलिए शुरुआती कार्यकर्ता और संस्थापक भी अधिकतर ब्राह्मण थे। लेकिन, सिद्ध करने वाले और संघ को करीब से जानने वाले कहते हैं कि यहां पर जाति के आधार पर नहीं, काम और समर्पण के आधार पर मिलता है। संघ में कौन किस जाति का है, यह ज्यादातर दिखाने नहीं देना। नेतृत्व में अलग-अलग जातियों के लोग हैं। संस्थापक का चयन आपसी विश्वास और सहमति से होता है, जाति का मूख नहीं होता।

**सद्भाव जरूरी।** सवाल यह भी उठता है कि संघ जातीय भेदभाव और संघर्ष



संघ के सदस्यों का एक कार्यक्रम।

खत्म करने के लिए क्या करना है? भागवत के अनुसार, तनाव और विषमता तब पैदा होती है, जब हम खुद को एक देश और एक मान्यता की संतान के रूप में नहीं देखते। यही पर हिंदू धर्म का भाव महत्वपूर्ण है। वह कहते हैं कि 'अंध-नीच से ऊपर उठकर आपसी सद्भाव बनाया जरूरी है। जो फेरे रह गए हैं, उन्हें सहाय देकर आगे लाना चाहिए। समस्या है कि जाति विहीन समाज को बात करते हुए भी व्यवहार में जाति भेद बनाते जाते हैं। इसका समाधान किसी एक सरकार या संगठन से नहीं होगा, समाज के हर व्यक्ति को प्रयत्न करना होगा।

**धर्म परिवर्तन।** कुछ लोग मुस्लिम समाज और उनकी 'घर वापसी' के पुरे पर सवाल उठाते हैं। संघ प्रमुख का कहना

## संघ की सोच

- भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र, घोषित करने की जरूरत नहीं
- संघ प्रमुख के चयन में समरति अहम, जाति मुखा नहीं
- सेकुलरिज्म को समयावय तटस्थता के रूप में समझा जाए



संघ प्रमुख का एक कार्यक्रम।

है कि भारत के सभी मुस्लिमों के पूर्व हिंदू थे। वे बहर से नहीं आए, उन्होंने अपना धर्म बदल। जहां तक उनकी हिंदू धर्म में जायदा का सवाल है, तो किसी को लालच, दबाव या छल से धर्म बदलने के लिए मजबूर करना ग़लत है। लेकिन, अगर कोई अपनी इच्छा से अपना चाहे, तो उसे जेक नहीं जाना चाहिए। ऐसे लोगों को जिम्मेदारों फिर हिंदू समाज को लेनी चाहिए। इस विषय पर बोलते पर अक्सर तर्की प्रतिक्रिया होती है। कुछ मुस्लिम नेत्रांध, जैसे अरबाद मदद हैं कहीं आपति जमाईं हालांकि भागवत ने जबरन 'घर वापसी' की बात नहीं कही, उनका वास्तव्य केवल स्वच्छता से लैवने वाले को लेकर था।

**शाखा में मुस्लिम।** यह सवाल भी बहुत उठता है कि क्या शाखा में मुस्लिम आते हैं? जवाब यही है कि शाखा में आने वालों को जाति या मान्यता से नहीं, केवल हिंदू के रूप में देखा जाता है। संघ की सोच के अनुसार, भारत में रहे वाले सभी लोग 'संस्कृतिक रूप से हिंदू' हैं, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद जैसे महापुरुषों ने भी यही बात कही थी।

**हिंदू राष्ट्र।** यह भी पूछा जाता है कि क्या संघ स्वतंत्रता से सेकुलर शब्द इटाकर हिंदू राष्ट्र

घोषित करना चाहता है और तबले की जगह भाषा लहंगना चाहता है? मोहन भागवत ने इसका जवाब यह दिया कि भारत हिंदू राष्ट्र है, इसे घोषित करने की जरूरत नहीं। समस्या वहां से हुई, जब भारत पर अहिंसावादी गठनों की परिभाषा लगी थी। भारतीय चिन्ता में राष्ट्र एक जीवन दर्शन है, जिससे लोगों ने जीवन शैली के रूप में अपनाया है। संघ ने कहा है कि देश में कभी किसी धर्म या मान्यता की धार्मिक स्वतंत्रता खत्म नहीं होगी, क्योंकि यह भारत और हिंदुत्व के चरित्र के विपरित है।

**कोई दुश्मन नहीं।** शतवर्षी अधिपत के दौरान आंदोलनों पर ध्यान देते हैं। संघ गलतफहमीयें दूर हो सकती हैं। संघ की भारत राष्ट्र, राजनीति, जाति, समाज, सेकुलरिज्म, विकास, शिक्षा, संस्कृति और रोजगार जैसे मुद्दों पर व्यापक सहाय बनती है। संघ की सोच है कि सेकुलरिज्म को धर्मनिरोधक नहीं, समग्रत तटस्थता के रूप में समझना चाहिए। संघ के सतत विस्तर का उतर भागवत की इस पंक्ति में है कि हमारे कोई विरोधी नहीं, हमारे लिए दो ही श्रेणी हैं - एक जो हमारे साथ है और दूसरे, जो साथ आने वाले हैं। यह छोटा, लेकिन असाधारण आश्वासन है। अगर यह मान ले कि जो आज साथ है, तो वे कल साथ रहेंगे, तो कोई विरोधी या दुश्मन नहीं रह जाएगा।

(लेखक वीरधर पकवार और विचारक हैं)

## कांटे की बात

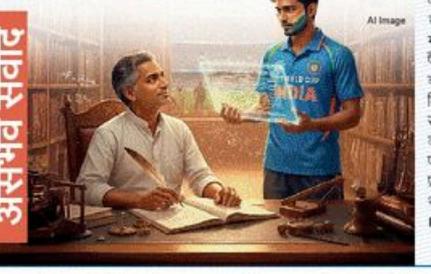
न्यूज रिपोर्ट्स में 600...700...जैसे एक्यूआर्ड के आंकड़े दिए जाते हैं, जो मुझ के बारे में सच नहीं हैं। बहूषण घटाने के लिए आपको BMC जैसी एजेंसियों के बजार नियमों पर अमल करना होगा।



पंकजा मुंडे, पर्यावरण मंत्री, महाराष्ट्र

## रामानुज दे सकते हैं सेमीफाइनल का फॉर्म्युला

**120 विराट का** में एक हर ने टीम इंडिया के सारे समीकरण विगड़ दिए हैं। भारत सेमीफाइनल में फुलफेरा नही, और जीत किल्ली नही होने चाहिए - अटलके लग रही है। टीम इंडिया की Probability जलने को एक क्रिकेट फैम युवक यह है महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुज के पास।



श्रीनिवास रामानुज का फॉर्म्युला।

रामानुज ने पाईडेंट टैबल को देखा और फिर समने टीम इंडिया की जरूरतें आने और मुह पर तिरंगा पेट लगाए प्रॉसंक से कहा, 'Probability विश्वी समाने के लिए खोल पावरल के पास जाना चाहिए था।' पर, उसके लिए वजन में और घेरे जान पड़ता। ममला अजेट है। हमारे समय के गणितज्ञ पैस कह रहे हैं कि हमें 500-600 रन बनाने होंगे। तो हमारी क्या संभावना है, अगर किसी फॉर्म्युले से बला संको है? 'आपनी ही संभावना है, जिना तुम्हें टीम पर और टीम का खुद पर भरोसा। गणित की वो हां है, पर विश्वास सडकोलौकी का भी हो गया है।' प्रॉसंक को राहत मिली, 'गणित की ही टैशन है, मन तो मजबूत है। कैसे पकिताला की Probability बला संको है क्या...?'

- शैलेट पांडेय



जानता जंवरान इरफान

## ए फॉर अपील, बी फॉर बेल और सी फॉर केस

**तीखीलाल**  
एडवोकेट हरवीर सिंह - यार तीखीलाल, लोग जरा-जरा संत बात पर इतना लतने क्यों हैं? तीखीलाल-बकि तुम लोगों का पंथा क्या है। लोग लड़ेंगे नहीं तो कोर्ट-चक्करी और बात बनाए ही क्यों गए? यह भी फुलने की बात है। हरवीर - और नहीं लीव भाई, आज मन बल्लु खराब है। हमारे पित्र बकौल सहाय गांव में जमान के विवाद में गए थे। उन्हें रिशेदतों ने ही पीट-पीटकर फार डाला। लोग जमान-जमानाद के लिए कितना गिने जा रहे हैं। तीखीलाल - ओह, यह तो बड़े दुख की बात है। पर क्या करे हरवीर भाई, जमानों का खुद बहुत बदनाम है। जिनका दिखता है, उससे कहीं ज्यादा। एक पीढ़ी कोर्ट नहीं है और फिर उसकी आलोची तीन-चार पंदिथों इस कोर्ट से डर कोर्ट तक लड़ती हैं। हावले वाला तो उर हावत ही है लेकिन जीने बात, जीत के भी हावत है क्योंकि वह बहुत कुछ छो देत है। हरवीर - सही कहा भाई, हम अपने करीब लोगों में ही देख रहे हैं। चाचा-ताक अब चर्चों को गोद में नहीं उठाते, बल्कि बच्चों को बकाने

के कजिल नहीं बकते यह फिर ऊपर ही चले गए होते हैं। उनके अहम और मुस्से की लड़ाई में खानदान के बच्चे रिस्ती का आनंद उठाते के बनाए, दुश्मन की बडे रहते हैं। तीखीलाल - सच कोर्ट ने अगर इतना थोड़ा स सत्र कर ले और जमाने रख ले तो असल में यह काफी कुछ था सकता है। खोने से बच सकता है, लेकिन लालच और मुस्से वाला ब्यद प्रेशर उसे केक देता है। वीपी तो समुद्र डेटेस रिस्कल बन गया है। जिसका जिनना ज्यादा बीपी, उरफा उरफा बला न्यायपालिका। हरवीर - जमानों के चक्कर में अब रिशेदती ऐस पेश बन गया है जिसकी जमानों में अब पानी भी बकित देते आर्डर और तारीखें डालने जाती हैं। दीवानों के इस पेड़ से अक्सर फौजदारी के फल टपकते हैं। तीखीलाल - इस्वर जायदाद के इगड़े में मारे गए बकौल सहाय की आत्मा को शांति दे, लेकिन सच तो यही है कि हमारे रिस्ते की विगत नहीं, मुकदमा बना दिया है और मुकदमे की खारिफत होती है कि यह ज्यादातर कमी खत्म नहीं होता, कास वारिस बदलत रहता है।



हम लखनऊवा

## चांदी के सिक्कों ने लोकतंत्र को बढ़ावा दिया

**अभिषेक मिश्र**  
प्राचीन यूनान को आमतौर पर लेकनर, दर्शन और विज्ञान की जन्मी कहा जाता है। लेकिन, कुछ लोगों को ही पता है कि इस बौद्धिक उदार के पीछे मुद्रा और जखार भी था। चांदी के सिक्कों ने न केवल यूनान की अर्थव्यवस्था बढ़ाई, बल्कि इसमें लोगों की सेवा, समाज की बनावट और धर्म तक को प्रभावित किया। धार्मिक और इतिहासकार जेनोफेन के जीवन से इस परिवर्तन को क्यूवी समझा जा सकता है।

**साइरस के सैनिक।** एथेंस में जन्मे जेनोफेन (Xenophon) एक संपन्न परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनकी आय मुख्य रूप से खेती पर निर्भर थी। हालांकि, वे दिनों में बड़े फारसी राजकुमार साइरस द क्वी की सेना में शामिल हुए। साइरस ने अपने भाई के खिलाफ विद्रोह किया था। हालांकि, वह युद्ध में हार गए, लेकिन विदेशी जमीन पर अपने यूनानी सैनिकों के जेनोफेन ने सुरक्षित निकाला। इसका विवर उन्होंने अपनी किताब 'मनाचेरिस' में भी किया है।

**आर्थिक सोच का जन्म।** उनकी दूसरी किताब 'ओर्थोकोनॉमिक्स' और भी ज्यादा चर्चित है। पर, धन और संरक्षणों के सही प्रबंधन पर आधारित इस किताब को शुरुआती आर्थिक सोच के नवीरों से भी महत्वपूर्ण माना गया। जेनोफेन के समय यूनान रोच में बड़े

## टाइम मशीन



टाइम मशीन

## रात से भयभीत हो गए तो सुबह का प्रकाश कभी नहीं आ पाएगा

**जैन मुनिश्री तरुणसहार जी**  
महावीर पेड़ के नीचे ध्यान मग्न थे। पेड़ पर आम लटक रहे थे। कुछ बच्चे भी खेल रहे थे वहां। वे पत्थर फेंककर आम तोड़ने लगे। एक पत्थर महावीर को लगा गया था और उनके सिर से रक्त बहने लगा। बच्चे डांर गए। बोले, 'भू! हमें माफ करो, हमारे बरान आपके काट हुआ है। भू! बने, 'नहीं, मुझे कोई काट नहीं है।' 'ले कि आपके आंखों में आंशु बहते हैं, 'पेड़ को तुमने पत्थर मग्न तो इतने तुम्हें पीट फल दिए, पर मैं तुम्हें कुछ नहीं दे सका, इसलिए मैं दुखी हूँ।'

'भोजन में और सब कुछ हो, रिस्क नमक न हो तो भोजन केरार है। मधिर में और सब कुछ हो, रिस्क भूति न हो तो मधिर केरार है। अरफलत में और सब कुछ हो, रिस्क उडकर न हो तो अरफलत केरार है। मागी में और सब कुछ हो, रिस्क ब्रेक न हो तो भागी केरार है। जीवन में और सब कुछ हो, रिस्क मन की शांति न हो तो जीवन केरार है। संखर दुख नहीं है। संखर के प्रति जो अचेतन है, वह दुख है। मकान में आग लगी। पित्र जो-जो से उने लेगा। पंखों से कसा, 'यह मकान ते कल तुम्हारे घेते न वेव दिख था।' पित्र का वेन एकदम बंद हो गया। वेदा दीवत आर्य और बेल, 'पिनानी!' मकान जल रहा है और आप...।' पित्र ने कहा, 'लेकिन, तुमने तो यह मकान बने दिख है ना।' पूर बेलत, 'बैचें की बात कही थी, मगर किश नहीं।' इतना सुनना कि पित्र कि दहाड़ मारकर उने लेगा। अपनापन है, इसलिए रोना आता है।

कठिनदण्डों से फरगण मग्न। वत से परमर्षीत हो गए तो सुक कभी नहीं आएगी। मनुकी से आगे बढिए, वस! सुक होने को ही है। अपने मन को मनुकी कडिए। कमजोर मन से क्या लोकी होता। यह खं - मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। जो मन से हार गया, समझ लो उसकी नैव नूच गई। जो मन से मनुकी हो गया, समझ लो सिक्कर बन गया।

## रिडर्स मेल

**संवाद बंद न हो**  
25 फरवरी का संवादक 'किसको विफलता' में सही कहा गया है कि लखनऊ वाली घटना के पीछे रिस्क मुद्रा का दबाव मुख्य वला नहीं था। आज के समय में समाजिक जमाना इतना विखर गया है कि रिस्के के बीच दुरिख बंद रही है। इससे संवेदनशीलता का कहीं न कहीं अभाव रहता है। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि स्टूडेंट्स प्रदाई, समाजिक, आर्थिक और परराज्य दबाव में आसक्त्य कर रहे हैं। यह काफी चिंताजनक परिता है। ऐसे मामले में परिवार में बेहतर सहायता कायम करने में संवाद का वरत बरगार खातिर हो सकता है।

## रिडर्स मेल

**संवाद बंद न हो**  
25 फरवरी का संवादक 'किसको विफलता' में सही कहा गया है कि लखनऊ वाली घटना के पीछे रिस्क मुद्रा का दबाव मुख्य वला नहीं था। आज के समय में समाजिक जमाना इतना विखर गया है कि रिस्के के बीच दुरिख बंद रही है। इससे संवेदनशीलता का कहीं न कहीं अभाव रहता है। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि स्टूडेंट्स प्रदाई, समाजिक, आर्थिक और परराज्य दबाव में आसक्त्य कर रहे हैं। यह काफी चिंताजनक परिता है। ऐसे मामले में परिवार में बेहतर सहायता कायम करने में संवाद का वरत बरगार खातिर हो सकता है।

पैथर तोमर, किशन जंज







**MARUTI SUZUKI**

**NEXA**

**VITARA**  
India goes electric

Introductory BaaS price  
**₹10.99 LAKH**\* + Battery EMI @ ₹3.99/km



<p><b>INDIA'S LARGEST* FAST-CHARGING NETWORK</b></p>	<p><b>543 km RANGE*</b></p>	<p><b>BHARAT NCAP 5 STAR SAFETY RATING BNCAP*</b></p>	<p><b>NEXAedge</b></p> <table border="1"> <tr> <td><b>60% ASSURED BUYBACK</b> AFTER 3 YEARS</td> <td><b>COMPLIMENTARY HOME CHARGER &amp; INSTALLATION</b> WORTH ₹ 50,000</td> </tr> <tr> <td><b>8 YEARS WARRANTY</b> (BATTERY 8 YEARS, VEHICLE 3/5/6/8/10 YEARS)</td> <td><b>COMPLIMENTARY CHARGING FOR 1 YEAR</b></td> </tr> </table>	<b>60% ASSURED BUYBACK</b> AFTER 3 YEARS	<b>COMPLIMENTARY HOME CHARGER &amp; INSTALLATION</b> WORTH ₹ 50,000	<b>8 YEARS WARRANTY</b> (BATTERY 8 YEARS, VEHICLE 3/5/6/8/10 YEARS)	<b>COMPLIMENTARY CHARGING FOR 1 YEAR</b>	<p><b>E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM</b></p>
<b>60% ASSURED BUYBACK</b> AFTER 3 YEARS	<b>COMPLIMENTARY HOME CHARGER &amp; INSTALLATION</b> WORTH ₹ 50,000							
<b>8 YEARS WARRANTY</b> (BATTERY 8 YEARS, VEHICLE 3/5/6/8/10 YEARS)	<b>COMPLIMENTARY CHARGING FOR 1 YEAR</b>							

LUCKNOW: NEXA SITAPUR ROAD (ONE-UP MOTORS INDIA PVT. LTD. PH: 8429999621), NEXA MAHANAGAR (MEGA MOTORS (A UNIT OF AKM MOTORS PVT LTD) PH: 8874900900, 6388905252), NEXA RING ROAD (KULDEEP MOTORS LUCKNOW PVT. LTD. PH: 9536022222), NEXA HAZRATGANJ (ANAND MOTOR AGENCIES LTD. PH: 7510003884), NEXA GOMTI NAGAR (KTL AUTOMOBILE PH: 7290019948), NEXA ALAM BAGH (BRIGHT 4 WHEELS PH: 7081111888).

\*₹ 10.99 lakh for e-VITARA Delta. Battery EMI: ₹ 3.99/km (subject to financier terms). Taxes and statutory charges are extra. Visit dealership for full T&Cs. | \*As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | \*543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | \*ADAS features are for driver assistance only. Driver is responsible for safe and attentive driving. | \*Always wear your seatbelt. | \*Mentioned ownership plan is for e-VITARA Delta variant. Calculation is done assuming vehicle is running 60 km per day, excluding charging cost. Valid on retail sales for the e-VITARA till 31<sup>st</sup> March '26, capped at 1,000 units of electricity (kWh) per customer or 1 year from the purchase of the vehicle, whichever is earlier. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45,000 km or 4 years/60,000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e-VITARA comes with standard warranty of 3 years/1,00,000 km with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1,40,000 km and service activated coverage for 6<sup>th</sup> to 8<sup>th</sup> year for EV related components.

LOVED IN 100 COUNTRIES
BAJAJ - WORLD'S FAVOURITE INDIAN

# THE ALL NEW *pulsar* 150 / 125

## NOW WITH LEDS.

# DARE THE DARK

**एक्स शोरूम कीमत ₹83,467/-**

**₹3,000 तक की छूट | शूय पीएफ 5 फ्री सर्विसेस**

**N160 मॉडल पर उपलब्ध**

**PLATINA पर 3,000 की छूट**

## *pulsar* DEFINITELY DARING

<b>10 YEAR WARRANTY</b>	<b>BAJAJ SECURE</b> *AFC - ROAD SIDE ASSISTANCE	<b>72198 21111</b>	
-------------------------	--	--------------------	--

Authorised Dealers For Bajaj Auto Ltd.: Lucknow: • Chowk JPS BAJAJ 8429999037 • Ring Road JPS BAJAJ 8429999044 • Alambagh JPS BAJAJ 8429999051 • Bakshi Ka Talab JPS BAJAJ 8429999048 • Buddheswar JPS BAJAJ 9839030306 • Purnia JPS BAJAJ 7521003595 • Raebareilly Road NAMDHARI BAJAJ 8572999902 • Indiranagar SRM Bajaj 9151085001 • Charbagh SRM Bajaj 9151085011 • Gomtinagar SRM Bajaj 9151085005.





### लोकबंधु अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर जल्द, प्रस्ताव भेजा

■ NBT न्यूज़, लखनऊ: लोकबंधु अस्पताल में जल्द 50 बेड का नया ट्रॉमा सेंटर बनने जा रहा है। इसका प्रस्ताव भेजा गया है। इसका प्रस्ताव भेजा गया है। इसका प्रस्ताव भेजा गया है।

### एलयू में 'साहित्य-संस्कृति महोत्सव' का आगाज

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: कवि जयशंकर प्रसाद की स्मृति में लखनऊ विश्वविद्यालय के मातृमंडल हॉल में साहित्य-संस्कृति महोत्सव का शुभ आरंभ किया गया है।

# स्पेस साइंटिस्ट बनना है... ISRO पूरा करेगा सपना

## कक्षा 9 के बच्चों के लिए मौका, युविका-2026 का शेड्यूल जारी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: सोम और रविवार सहित दो दिनों तक चलने वाले स्पेस साइंटिस्ट बनने के लिए आयोजित प्रतियोगिता (ISRO) शुरू करने का इरादा है।



इसरो ISRO

ऐसे करें आवेदन  
इच्छुक छात्र ISRO की आधिकारिक वेबसाइट jpyasa.isro.gov.in/yuvika पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

### प्रफिशिंसी टेस्ट पास करेंगे, तब मिलेगी इंजिनियरिंग की डिग्री

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: AKTU में अब स्पेस साइंटिस्ट बनने के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

### BBAU में शुरु हुए 13 हॉबी क्लब

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: बाबा साहेब गोमराव अमेरिंडकर विश्वविद्यालय में अब कला के माध्यम से छात्रों को विकसित बनाना शुरू किया गया है।

### डिओ को निर्देश जारी, अधिक से अधिक को जाड़े मंडलों का विकास प्रगति अधिपति

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: डिओ को निर्देश जारी, अधिक से अधिक को जाड़े मंडलों का विकास प्रगति अधिपति प्रदान किया गया है।

### चयन वेतननाम को लेकर नाराजगी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: छात्रों ने चयन वेतननाम को लेकर नाराजगी व्यक्त की है।

# 7 दिन में 14 पेपर, 242 बार हुआ इंस्पेक्शन, नकलची मिले 'सिफर'

## कैमरों से केंद्रों की मॉनिटरिंग की कवायद साबित हो रही मददगार

■ आर्युण मिश्रा, लखनऊ: उत्तर प्रदेश में 7 दिनों में 14 पेपरों का इंस्पेक्शन हुआ।



शिक्षकों ने की पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: शिक्षकों ने पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग की है।

### शिक्षकों ने की पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: शिक्षकों ने पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग की है।

### चयन वेतननाम को लेकर नाराजगी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: छात्रों ने चयन वेतननाम को लेकर नाराजगी व्यक्त की है।

### प्रियांका बनी सर्वश्रेष्ठ छात्रा

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: प्रियांका बनी सर्वश्रेष्ठ छात्रा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

Table with columns for dates (16-04-2026, 23-04-2026, 30-04-2026) and details of various tenders and projects.

# 'तकनीक संग शिक्षा का एलाइनमेंट जरूरी'

कालीचरण कॉलेज के वार्षिकोत्सव में विस अध्यक्ष ने किया छात्रों से संवाद



'जुदगी में नहीं होता डिलीट का विकल्प'

विद्यार्थियों अत्यंत शक्तिमान् मन में का है कि दुनिया समय AI का है। ऐसे में शिक्षा का तकनीकी और अनुकूलना का साथ एलाइनमेंट जरूरी है।

विद्यार्थियों अत्यंत शक्तिमान् मन में का है कि दुनिया समय AI का है। ऐसे में शिक्षा का तकनीकी और अनुकूलना का साथ एलाइनमेंट जरूरी है।

विद्यार्थियों अत्यंत शक्तिमान् मन में का है कि दुनिया समय AI का है। ऐसे में शिक्षा का तकनीकी और अनुकूलना का साथ एलाइनमेंट जरूरी है।

विद्यार्थियों अत्यंत शक्तिमान् मन में का है कि दुनिया समय AI का है। ऐसे में शिक्षा का तकनीकी और अनुकूलना का साथ एलाइनमेंट जरूरी है।

### 'ध्रुव तारे के समान अटल है ध्रुव'

■ NBT न्यूज़, लखनऊ: बनसही संस्कृति विश्वविद्यालय के नूतन संस्कार में ध्रुव तारे के समान अटल है ध्रुव।

### राजवीर और अत्रिका बने मिस्टर एंड मिस एमिटी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: एमिटी विश्वविद्यालय में राजवीर और अत्रिका बने मिस्टर एंड मिस एमिटी।



फीस का 'फाइन' या छात्रों का इत्तिहास? एलयू में लेट फीस के खिलाफ प्रदर्शन

MAHASAMRUDDHI RENEWABLE ENERGY LIMITED, SPV OF MAHARASHTRA STATE ROAD DEVELOPMENT CORPORATION LTD. NOTICE INVITING E-TENDER









अविमुक्तेश्वरानंद पर आराधना लगाने वाले आशुतोष बोले- शंकराचार्य ने जांच पर उठाए सवाल

'विदेश और राजनीतिक पार्टियों से चंदा लेते हैं' 'पुलिस विवेचना की जानकारी लीक हो रही'

अविमुक्तेश्वरानंद पर आराधना लगाने वाले आशुतोष बोले- शंकराचार्य ने जांच पर उठाए सवाल



शंकराचार्य ने जांच पर उठाए सवाल

शंकराचार्य विवाद को सुलझाने के लिए अखाड़े करें पहल

शंकराचार्य के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन

दोनों नाबालिग के बयान दर्ज

बंदरों के आतंक पर हाई कोर्ट सख्त, मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

'बिना वैध चुनौती के शासनादेश असंवैधानिक नहीं'

गाजियाबाद के स्कूल में घुसा तेंदुआ

राज्यपाल ने ग्रीन आर्मी की महिलाओं से किया संवाद

बारबंकी: BSNL के VIP मोबाइल नंबरों के ई-सिम स्वीप का कस

₹21.25 करोड़ से निखरेगा 14 कोसी परिक्रमा मार्ग

राशियां और आपका दिन

जन्मदिन की शुभकामनाएं

सुडोकू, कल का पंचांग, Television

**NOTE :-**

[ : राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi, ]

**English NEWSPAPERS**

[ Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi ] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

**2. आकाशवाणी (AUDIO)**

whatsapp Group ka link pane ke liye  
Newspaper\_pdf\_bot par jaye.

Click here to contact:-[https://t.me/Newspaper\\_pdf\\_bot](https://t.me/Newspaper_pdf_bot)

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper\_pdf\_bot And you will find a channel

**BACKUP GROUP LINK**

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

**Hindi-English News Paper**  
**Website:- onlineftp.in**